>

Title: Need to formulate an effective scheme to check recurrence of floods in Poorvanchal region of Uttar Pradesh and other parts of the country.

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में बाढ़ की समस्या है। वहां जो नदियां हैं, विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में तमाम नदियां हैं, राप्ती घाघरा गंडक आदि नदियां है । यहां बाढ़ जब आती है तो पूरा का पूरा गांव एकदम तबाह कर देती है। सेंट्रल रिलीफ फंड से बंधों की मरम्मत के लिए पैसा जाता है। ये तमाम परियोजनायें नाबार्ड में जाती हैं। परियोजनायें तो हम लोग लिखकर भेज देते हैं, लेकिन उन परियोजनाओं की स्वीकृति के बारे में हम हर महीने पूछते हैं तो पता चलता है कि नाबार्ड में है, पटना में है, कोई कहता है कि सीआरएफ का पैसा आने वाला है और बंधों की हालत हर साल खराब होती जा रही है। मैं अपने संसदीय क्षेत्र की बात कर रहा हूं, हमारे यहां चार नदियां हैं, राप्ती है जो नेपाल से आती है, घाघरा भी नेपाल से आती है।

सभापति महोदय : आप अपनी मांग रखिए।

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी : सभापति महोदय, मैं उसी की बात कर रहा हूं। इसके किनारे जो बंधे बने हैं, जिस पर भारत सरकार से पैसा मिलना चाहिए। इसके लिए केंद्रीय निधि का पैसा मिलता है, लेकिन यह पैसा अभी तक स्वीकृत नहीं हुआ है। एक जगह की बात मैं बता रहा हूं, यह बड़ा आवश्यक मसला है, हमारे क्षेत्र में बेलघाट में शाहपुर नाम का एक गांव है, जो जनपद गोरखपुर में है, वहां पर घाघरा और कुआनो नदियां आपस में मिलती हैं। स्थिति यह हो गयी है कि अगर वह नदी जहां पर मिलती है, उसके तीन किलोमीटर पहले अगर बंधे का निर्माण नहीं होगा, तो तीस हजार की आबादी पानी में चली जाएगी, उसका कोई माई-बाप नहीं है। इसकी योजना नार्बाड में गयी है पर पिछले दो सालों से स्वीकृति नहीं मिली है।

सभापति महोदय : आप अपनी मांग रखिए।

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी : सभापति महोदय, मैं सरकार से मांग करना चाहता हूं कि जो नाबार्ड की परियोजनायें हैं, जिसको शासन में भेजा जाता है, उसकी स्वीकृति जल्द से जल्द हो क्योंकि लगभग हर साल वहां बाढ़ आती है। बाढ़ की तबाही से पूर्वांचल के लोगों को बचाने के लिए सरकार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। इसकी परमानेंट व्यवस्था करनी चाहिए, क्योंकि 63 साल की आजादी के बाद आज भी हर साल वहां बाढ़ आती है और लोगों को तबाह करके चली जाती है, लेकिन सरकार की तरफ से इस ओर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

सभापति महोदय : ठीक है, आपने अपनी भावना व्यक्त कर दी है।

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से पुरजोर मांग करता हूं कि पूर्वांचल के लोगों को बाढ़ की समस्या से निजात दिलाने के लिए कोई ठोस कदम जरूर उठाये। यह बड़ी इंपोर्टेंट चीज है।

सभापति महोदय : यह डिबेट नहीं है। आपने अपनी भावना व्यक्त कर दी और सरकार ने सुन लिया है।

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी : सभापति महोदय, कभी-कभी नेपाल नदियों में अपने यहां पानी छोड़ देता है, उसकी वजह से बाढ़ आ जाती है और फसलें तबाह हो जाती हैं।

सभापति महोदय : समाप्त करिए, रिकार्ड में नहीं जा रहा है।

*(Interruptions) â€¦ **

सभापति महोदय : आपने भावना व्यक्त कर दी, धन्यवाद।